

मेट्रो को साउथ दिल्ली से लिंक करने की तैयारी

22 Jan 2011, 0400 hrs IST

विनोद शर्मा ॥ नोएडा

डीएमआरसी के फेज 3 में अब मेट्रो कालिंदी कुंज तक नहीं बल्कि नोएडा तक लिंक करेगी। इस बारे में जल्द ही नोएडा अथॉरिटी डीएमआरसी के अफसरों के साथ संपर्क कर इसके रूट और अन्य पहलुओं पर बातचीत करेगी। नोएडा अथॉरिटी का प्रयास नोएडा के नागरिकों को विश्वस्तरीय पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुहैया कराना है। इसमें मेट्रो के नेटवर्क को साउथ दिल्ली से जोड़ने में नोएडा के लोगों को भारी राहत मिलेगी। इस प्रोजेक्ट पर अगले 2 महीने में नतीजा सामने आ जाएगा।

नोएडा अथॉरिटी के सीईओ रमा रमण ने एनवीटी से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेट्रो के नोएडा में आने से तस्वीर काफी बदली है। ग्रेटर नोएडा तक मेट्रो को लेकर प्रस्ताव पर काम शुरू हो गया है। अब साउथ दिल्ली के लिंक पर भी काम शुरू होगा। हाल ही में नोएडा अथॉरिटी के सीईओ का कार्यभार संभालने के बाद वह पिछले 20 दिनों से लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। सड़क पर उतरकर वह अतिक्रमण हटाओ अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। इसके साथ ही यह संदेश भी दे दिया है कि बिल्डिंगों में पार्किंग की जगह का मिसयूज करने वालों को नोटिस दिया जाएगा। वह कहते हैं कि काम पटरी पर लाने में देर जरूर लग रही है, लेकिन सब कुछ दुरुस्त हो जाएगा।

3 बड़े चैलेंज : ट्रैफिक, बिजली और किसानों के मुद्दे

ट्रैफिक

अथॉरिटी सीईओ ने बताया कि पदभार संभालने के बाद अभी तक जो भी कामकाज की समीक्षा की है। इसमें 3 बड़े चैलेंज हमारे सामने हैं। इनमें पहला ट्रैफिक और ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार करने का है। इस समय मल्टी इन्फ्रास्ट्रक्चर से काम चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 24 पहुंचने वाली सड़कें जाम हो रही हैं। वहां सड़क को चौड़ा कराने की कसरत पर काम हो रहा है। इसी तरह नोएडा के एंटी पॉइंट पर सिग्नल पॉइंट के कारण गाड़ियों को ब्रेक लगाने पड़ रहे हैं। इस सिग्नल को बंद कराने के लिए वह खुद दिल्ली पुलिस में ट्रैफिक देख रहे सत्येंद्र गर्ग से मीटिंग कर आए हैं। वह पूरे रास्ते का सर्वे करा रहे हैं। नोएडा अथॉरिटी भी उन्हें नागार्जुन अपार्टमेंट में पहुंचने के वैकल्पिक मार्ग का रूट बनाकर देगा। इसके लिए शाहदरा ड्रेन की पटरी को चौड़ा किया जाएगा। 10 साल के प्लान को ध्यान में रखकर नए फ्लाईओवर, नए ब्रिज, नए अंडरपास और सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। सड़कों से जाम हटाना ही उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। पार्किंग भी इनमें एक बड़ी समस्या है। इसके लिए पूरे शहर में पार्किंग को लेकर प्लान तैयार किया जा रहा है। जो भी प्रोजेक्ट फाइलों में हैं, वे सब न केवल बाहर आएंगे बल्कि इन पर अमल भी होगा। सड़क किनारे वीकली बाजार, कमर्शियल प्लेस पर ठेली और रेहड़ी, सड़क पर बेतरतीब ढंग से सवारी लेते हुए टैपो यह सीन बदलना जरूरी है।

बिजली के इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर काम

किसी भी शहर के डिवेलपमेंट में बिजली का अहम रोल है। नोएडा शहर में जो भी सेक्टर डिवेलप हो रहे हैं, आने वाले दिनों में वहां बिजली की डिमांड तेजी से बढ़ेगी। इसके लिए अभी से ही 132 केवी, 220 केवी और 400 केवी के साथ ही 33 केवी के छोटे सबस्टेशन बनाने और उनके लिए जमीन को रिजर्व रखने की जरूरत है। नोएडा अथॉरिटी के सीईओ रमा रमण ने माना कि बिजली के इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलप करने में थोड़ी देरी हुई है मगर अब यह देर नहीं होगी। नोएडा के साथ ही ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस - वे अथॉरिटी के एरिया में बिजली का इंटीग्रेटेड प्लान बनाया जा रहा है। वहां 765 मेगावॉट का सबस्टेशन तैयार हो रहा है। इसके बाद यहां बिजली का संकट नहीं होगा। बिजली के मुद्दे पर जल्द ही अथॉरिटी अफसरों के साथ प्लान को फाइनल शेप देने जा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर

नोएडा अथॉरिटी के सीईओ कहते हैं कि किसानों का नोएडा को बसाने में अहम रोल रहा है। इस लिहाज से इनकी समस्याएं हल कराना हमारी जिम्मेदारी है। वह कहते हैं कि आबादी की समस्या, पेंडिंग मुआवजे के केस और पीपी एक्ट के मामलों को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत निपटाएंगे। किसानों के बच्चों को प्राइमरी लेवल पर एजुकेशन और करियर के लिहाज से टेक्निकल एजुकेशन को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग की जा रही है।

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।

इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

देश-दुनिया की खबरें विडियो में। देखने के लिए क्लिक करें।

[About Us](#) | [Advertise with Us](#) | [Terms of Use](#) | [Privacy Policy](#) | [Feedback](#) | [Sitemap](#)

Copyright © 2011 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: [Times Syndication Service](#)

This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768